ftyk lpuk dk;ky;
eky jkM] vYekMk
E-mail – suchanaalmora@gmail.com दूरभाष : 05962–230209 / फैक्स– 230209

i l ukV

vYekMk 16 uoEcj 2018¼l0fo0½& कोसी नदी पुर्नजनन अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत विकास भवन मेंएक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 14 रिचार्ज जोन के नोडल अधिकारी सहित इस अभियान से जुड़े अन्य अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कहा कि प्रथम चरण में जिस मेहनत व समन्वय से कार्य किया गया वही कार्य द्वितीय चरण में करना होगा। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई के वृक्षारोपण में जो पोधे मृत पाये गये है उनका चिन्हाकंन 30 नवम्बर तक सभी नोडल अधिकारी करेंगे ताकि शीतकाल में ऐसे स्थानों में पनुः पौधरोपण किया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि एक सूक्ष्म कार्य योजना बना दी गयी है जिसे नोडल अधिकारी को सौंप दिया जाएगा। तदनुसार ही सभी नोडल अधिकारी रिचार्ज जोनो में कार्य करवाना सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला में एन0आर0डी0एम0 के निदेशक प्रो0 जे0एस0 रावत ने स्लाइड के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों को द्वितीय चरण के कार्यों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य व चाल–खाल, ट्रेंच व गडढे आदि बनाये जाने है वे रिचार्ज जोन के 100 मीटर उपरी स्थानों पर बनाये जाय। इसके अलावा उन्होंने कहा कि टैक्नीकल कमेटी द्वारा जो आकार व माप गडढे व चाल–खाल हेतु दिए गये है उसी अनुसार कार्य किया जाए। प्रो0 रावत ने कहा कि वन विभाग के साथ–साथ रेखीय विभागों का आपसी समन्वय इस अभियान में जरूरी है।

कार्यशाला में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी अपने–अपने दायित्वों को भली–भॉति समझ लें। किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो वे प्रो0 रावत से सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के सहयोग से द्वितीय चरण में भी सुरक्षा दीवार के साथ–साथ घेरबाड़ कर दी जायेगी।

इस दौरान नोडल अधिकारियों से विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी और द्वितीय चरण के वृक्षारोपण पर विस्तृत चर्चा भी हुई। कार्यशाला में परियोजना निदेशक नरेश कुमार, जिला विकास अधिकारी के0के0 पंत, प्रभागीय वनाधिकारी पंकज कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी प्रियंका सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी हितपाल सिंह, पंचायत राज अधिकारी हरीश आर्या, बी0डी0ओ0 हवालबाग पंकज काण्डपाल सहित नोडल अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ftyk lpuk vf/kdkjh
vYekMk